**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**सोमवार, 28 जुलाई, 2014, 6 श्रावण, 1936 (शक) अतारांकित प्रश्‍न सं. 2092**

**राष्ट्रीय राजमार्गों को छह लेन का किया जाना**

**2092. डॉ. वी. मैत्रेयन:**

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में राष्ट्रीय राजमार्गों को छह लेन का बनाए जाने हेतु कोई निधि आबंटित तथा संवितरित की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों के दौरान उन पर राष्ट्रीय राजमार्ग-वार कितनी धनराशि व्यय की गई है; और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा छह लेनों का राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने के लिए क्या प्रभावी उपाय किए गए हैं?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री कृष्‍णपाल गुर्जर)**

**(क) से (ग)** सरकार ने अक्‍तूबर, 2006 में राष्‍ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी) के चरण-V के अंतर्गत लगभग 5700 किमी की समस्‍त स्‍वर्णिम चतुर्भुज और अन्‍य 800 किमी के उच्‍च घनत्‍व वाले राष्‍ट्रीय राजमार्ग कोरिडोर सहित 6500 किमी राष्‍ट्रीय राजमार्गों को छ: लेनिंग करने की मंजूरी प्रदान की। राष्‍ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए निधियों का आवंटन राज्‍यवार/एजेंसीवार किया जाता है और परियोजनावार/राष्‍ट्रीय राजमार्गवार नहीं किया जाता। विगत तीन वर्षों के दौरान एनएचडीपी के अंतर्गत राष्‍ट्रीय राजमार्गों के विकास पर लगभग 55,775 करोड़ रुपए व्‍यय हुए हैं जिसमें अन्‍य बातों के साथ-साथ चरण-V के अंतर्गत बजटीय सहायता से राष्‍ट्रीय राजमार्गों को छ: लेन का बनाना भी शामिल है। इसके अतिरिक्‍त प्राइवेट क्षेत्र भी राष्‍ट्रीय राजमार्गों को छ: लेन का बनाने में योगदान देता है।

\*\*\*\*